



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

May

सं. 530] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 26, 1995/पौष 5, 1917
No. 530] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 26, 1995/PAUSA 5, 1917

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1995

सं. 38/95—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा. का. नि. 809(अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण (जिसे अन्तर्गत उद्ग्रहण न किया जाना भी है) से संबंधित साधारणतया प्रचलित पद्धति के अनुसार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष सं. 2810.11 के अन्तर्गत आने वाले और उर्वरक के विनिर्माण में नियंत्रित रूप से उपयोग किए गए कार्बन डाईआक्साइड पर उत्पाद शुल्क उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन 1 मार्च, 1994 से प्रारंभ और 11 अप्रैल, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उर्वरक के विनिर्माण में नियंत्रित रूप से उपयोग किए

गए ऐसे कार्बन डाईआक्साइड पर उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन यदि उक्त पद्धति न हो तो पूर्वोक्त अवधि के दौरान, उक्त पद्धति के अनुसार ऐसे कार्बनडाईआक्साइड की बाबत जिस पर उत्पाद शुल्क उद्ग्रहीत नहीं किया गया था, संदेय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क का संदाय अपेक्षित नहीं होगा।

[फा. सं. 104/3/94—सी. एल.-3]

राजीव भाटिया, अवर सचिव

टिप्पणः—यह अधिसूचना केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग के अधीन यह उपबंध करने के लिए जारी की गई थी कि साधारणतया प्रचलित पद्धति के अनुसार सुसंगत समय में केन्द्रीय उत्पाद टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 28 के अन्तर्गत आने वाले और उर्वरक के विनिर्माण में नियंत्रित रूप से उपयोग किए गए कार्बनडाईआक्साइड पर 1-3-1994 से 11-4-1994 तक की अवधि के दौरान संदेय उत्पाद शुल्क का संदाय अपेक्षित नहीं होगा।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th December, 1995

No. 38/95—CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 809 (E) :—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as the said Act), the duty of excise on Carbon Di-oxide, falling under sub-heading number 2810.11 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and captively consumed in the manufacture of fertilisers, was not being levied under section 3 of the said Act, during the period commencing on the 1st day of March, 1994 and ending with 11th day of April, 1994.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty

of excise payable under section 3 of the said Act on such Carbon Di-oxide captively consumed in the manufacture of fertilisers, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such Carbon Dioxide on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 104/3/94—CX.3]

RAJIV BHATIA, Under Secy.

Note :—The notification has been issued under section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) so as to provide that, in accordance with the general practice that was prevalent at the relevant time, the duty of excise on Carbon Di-oxide captively consumed in the manufacture of fertilisers, falling within Chapter 28 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), shall not be required to be paid during the period 1-3-1994 to 11-4-1994.